पुणे, बुधवार
8 अक्टूबर 2025
कार्तिक कृष्ण 2
4 राज्य | 3 भाषाएं | 33 संस्करण
पृष्ठ : 16 | मूल्य : ₹ 6.00

सदैव अपने पाठकों के साथ
नवभारत
1934 से
navbharatlive.com

ePaper
नवभारत
Pune | 08 October 2025 | Page 2

www.navbharatlive.com
www.epaper.navbharatlive.com

पहलः मानवाधिकारों की संस्कृति संजोएं

रंगमंच से मानवाधिकारों की आवाज़ गूंज उठी!

■ **पुणे, ब्यूरो.** मानवाधिकारों के महत्व को जन-जन तक पहुंचाने के लिए पुणे में एक अनूठी पहल की गई. डॉ. डी. वाई. पाटिल लॉ कॉलेज, पिंपरी में, महाराष्ट्र राज्य मानवाधिकार आयोग और सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय के एनएसएस विभाग के सहयोग से, दो दिवसीय राष्ट्रीय स्तर की नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता और कार्यशाला का आयोजन किया गया. देशभर से आए युवा प्रतिभागियों ने अपनी कला के दम पर सामाजिक न्याय, लैंगिक समानता और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता जैसे कानूनी व सामाजिक मुद्दों को जीवंत किया. यह आयोजन जटिल अवधारणाओं को आमजन तक पहुंचाने का एक सफल प्रयास रहा.

कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में महाराष्ट्र राज्य मानवाधिकार आयोग के सदस्य एवं पूर्व आईपीएस अधिकारी संजय कुमार, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय की कार्यकारी रजिस्ट्रार डॉ. ज्योति भाकरे और डी वाई पाटिल कला, वाणिज्य और विज्ञान विभाग के प्राचार्य डॉ. रणजीत पाटिल उपस्थित रहे. समापन सत्र में राज्य मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति ए.एम. बदर, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय के प्र. कुलपति डॉ. पराग कालकर और भ्रष्टाचार निरोधक विभाग के अतिरिक्त आयुक्त संदीप दीवान ने शिरकत की.

न्यायमूर्ति बदर ने किया मार्गदर्शन

- न्यायमूर्ति बदर ने कहा, 'मानवाधिकार केवल कानूनों तक सीमित नहीं, बल्कि एक जीवंत संस्कृति का हिस्सा बनना चाहिए. नुक्कड़ नाटक समाज को जागरूक करने का सशक्त माध्यम हैं, जो हर वर्ग तक अपनी बात पहुंचा सकते हैं. ये प्रत्येक व्यक्ति की गरिमा, समानता और स्वतंत्रता का प्रतिनिधित्व करते हैं. इन अधिकारों की सुरक्षा के लिए कानून और संस्थाओं का अस्तित्व अत्यंत महत्वपूर्ण है, लेकिन जमीनी स्तर पर जागरूकता का प्रसार भी उतना ही महत्वपूर्ण है.'
- इस प्रतियोगिता ने छात्रों को सामाजिक परिवर्तन का वाहक बनने और रंगमंच के माध्यम से जनजागरण की प्रेरणा दी. आयोजन समिति की मेहनत और समर्पण से कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ. डॉ. एस.एस. गोपाकुमार के मार्गदर्शन में आयोजन समिति के सचिव सहा. प्रो. अर्जुन सोमवंशी, सहा. प्रा. डॉ. विजेता चौधरी, सहा. प्रो. समृद्धि शाह, सहा. प्रा. प्रदीप केन्द्र, सहा. प्रा डॉ. अंजुम अजमेरी, वकील विवेक भारगुड़े और अन्य सभी शिक्षकों का सहयोग रहा.